हिंदी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

लखनऊ से प्रकाशित वर्ष : 10, अंक : 124, पृष्ठ : 0

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला

कानपुर

सीएसए के वानिकी महाविद्यालय एवं सीफोर वर्ल्ड एग्रो फॉरेस्ट्री एशिया कॉन्टिनेंटल प्रोग्राम इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में हमारी भूमि, हमारा भविष्य हम पीढ़ी बहाली हैं विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि परिदृश्य खेती के तौर तरीके तथा उत्पादन एवं उत्पादकता पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण फसल चक्र में भी बदलाव आ रहा है।डॉक्टर सिंह ने पर्यावरण प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन तथा मानव स्वास्थ्य पर कुप्रभाव की चिंता करते हुए बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आज से ठीक 50 वर्ष पूर्व 5 जून 1973 से विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत की गई। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम भूमि पुनर्स्थापना मरुस्थलीकरण और सूखे पर है जो बहुत ही प्रासंगिक तथा अर्थपूर्ण है।उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग अधिक है जो पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बहुत खतरनाक है।कुलपति ने कहा कि प्लास्टिक उपयोग में कमी लाई जानी चाहिए तथा रीसाइकलिंग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों से प्लास्टिक को कम से कम उपयोग में लाने के लिए आवाहन किया। इस अवसर पर वर्ल्ड एग्रोफोरेस्ट्री सेंटर के डॉक्टर एस के ध्यानी द्वारा विश्व पर्यावरण एवं कृषि वानिकी के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न परियोजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने अधिक से अधिक पेड़ लगाकर जलवायु परिवर्तन रोकने पर बल दिया। इस अवसर पर डी एफ ओ,आईएफएस श्रद्धा यादव ने वन विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। जबकि डॉक्टर एसपी सिंह आईआईएफएम भोपाल ने भी छात्राओं एवं उपस्थित जनों को संबोधित किया। कार्यक्रम आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यशाला के बारे में विस्तार से जानकारी थी।इस अवसर पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

/4

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

158 लखनऊ व एटा से प्रकशित गुरूवार, 06 जून 2024 R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीएसए में एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

रहस्य संदेश ब्यूरो
(कानपुर)

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के वानिकी महाविद्यालय एवं सीफोर वर्ल्ड एग्रो फॉरेस्ट्री एशिया कॉन्टिनेंटल प्रोग्राम इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में "हमारी भूमि, हमारा भविष्य हम पीढ़ी बहाली हैं" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि परिदृश्य खेती के तौर तरीके तथा उत्पादन एवं उत्पादकता पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण फसल चक्र में भी बदलाव आ रहा है।डॉक्टर सिंह ने पर्यावरण प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन तथा मानव स्वास्थ्य पर कुप्रभाव की चिंता करते हुए बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आज से ठीक 50 वर्ष पूर्व 5 जून 1973 से विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत की गई। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 卐भूमि पुनर्स्थापना मरुस्थलीकरण और सूखे पर है卐 जो बहुत ही प्रासंगिक तथा अर्थपूर्ण है।उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग अधिक है जो पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बहुत खतरनाक है।कुलपति ने कहा कि प्लास्टिक उपयोग में कमी लाई जानी चाहिए तथा रीसाइकलिंग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों से प्लास्टिक को कम से कम उपयोग में लाने के लिए आवाहन किया। इस अवसर पर वर्ल्ड एग्रोफोरेस्ट्री सेंटर के डॉक्टर एस के ध्यानी द्वारा विश्व पर्यावरण एवं कृषि वानिकी के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न परियोजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने अधिक से अधिक पेड़ लगाकर जलवायु परिवर्तन रोकने पर बल दिया। इस अवसर पर डी एफ ओ,आईएफएस श्रद्धा यादव ने वन विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। जबकि डॉक्टर एसपी सिंह आईआईएफएम भोपाल ने भी छात्राओं एवं उपस्थित जनों को संबोधित किया। कार्यक्राम आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यशाला के बारे में विस्तार से जानकारी थी।इस अवसर पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद डॉक्टर सर्वेश कुमार द्वारा किया गया इस अवसर पर डॉ सी एल मौर्य,डॉक्टर पी के उपाध्याय,डॉ पीके सिंह एवं डॉक्टर कौशल कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं वैज्ञानिक तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर ● बृहस्पतिवार ● 6 जून ● 2024

'प्लास्टिक बेहद खतरनाक, कम से कम करें उपयोग'

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीएसए में एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि। फोटो : एसएनबी

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वानिकी महाविद्यालय एवं मोजेक कंपनी एग्रो फॉरेस्ट्री एशिया कॉन्टिनेंटल प्रोग्राम इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में 'हमारी भूमि, हमारा भविष्य', विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने प्लास्टिक को पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बहुत खतरनाक बताकर उसका कम से कम उपयोग करने और रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि परिदृश्य क्षेत्रों के तौर तरीके तथा उत्पादन एवं उत्पादकता पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण फसल चक्र में भी बदलाव आ रहा है। पर्यावरण प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन तथा मानव स्वास्थ्य पर कुप्रभाव की चिंता करते हुए बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आज से ठीक 50 वर्ष पूर्व 5 जून 1973 से विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत की गई। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'भूमि पुनर्स्थापना मरुस्थलीकरण और सूखे' है, जो बहुत ही प्रासंगिक तथा अर्थपूर्ण है। इस अवसर पर कार्ड एग्रोफॉरेस्ट्री सेंटर के डॉ. एसके ध्यानी द्वारा विश्व पर्यावरण एवं कृषि वानिकी के क्षेत्र में भारत सरकार की विभिन्न परियोजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने अधिक से अधिक पेड़ लगाकर जलवायु परिवर्तन रोकने पर बल दिया। इस अवसर पर डीएफओ श्रद्धा यादव (आईएफएस) ने वन विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। डॉ. एसबी सिंह आईआईएसएस भोपाल ने भी छात्राओं एवं उपस्थित जनों को संबोधित किया। कार्यक्रम आयोजक डॉ.मुनीश कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यशाला के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वादविवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद डॉ. मनोज कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ.कौशल मौर्य, डॉ.वीके उपाध्याय, डॉ वीके सिंह एवं डॉ.कौशल कुमार सहित अन्य अधिकारी, वैज्ञानिक तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 333 कानपुर, गुरूवार 06 जून 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला

कानपुर । सीएसए के वानिकी महाविद्यालय एवं सीफोर वर्ल्ड एग्रो फॉरेस्ट्री एशिया कॉन्टिनेंटल प्रोग्राम इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में हमारी भूमि, हमारा भविष्य हम पीढ़ी बहाली हैं विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि परिदृश्य खेती के तौर तरीके तथा उत्पादन एवं उत्पादकता पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण फसल चक्र में भी बदलाव आ रहा है।डॉक्टर सिंह ने पर्यावरण प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन तथा मानव स्वास्थ्य पर कुप्रभाव की चिंता करते हुए बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आज से ठीक 50 वर्ष पूर्व 5 जून 1973 से विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत की गई। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 卐भूमि पुनर्स्थापना मरुस्थलीकरण और सूखे पर है卐 जो बहुत ही प्रासंगिक तथा अर्थपूर्ण है।उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग अधिक है जो पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बहुत खतरनाक है।कुलपति ने कहा कि प्लास्टिक उपयोग में कमी लाई जानी चाहिए तथा रीसाइकलिंग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों से प्लास्टिक को कम से कम उपयोग में लाने के लिए आवाहन किया। इस अवसर पर वर्ल्ड एग्रोफोरेस्ट्री सेंटर के डॉक्टर एस के ध्यानी द्वारा विश्व पर्यावरण एवं कृषि वानिकी के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न परियोजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने अधिक से अधिक पेड़ लगाकर जलवायु परिवर्तन रोकने पर बल दिया। इस अवसर पर डी एफ ओ,आईएफएस श्रद्धा यादव ने वन विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। जबकि डॉक्टर एसपी सिंह आईआईएफएम भोपाल ने भी छात्राओं एवं उपस्थित जनों को संबोधित किया। कार्यक्रम आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यशाला के बारे में विस्तार से जानकारी थी।इस अवसर पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद डॉक्टर सर्वेश कुमार द्वारा किया गया इस अवसर पर डॉ सी एल मौर्य,डॉक्टर पी के उपाध्याय,डॉ पीके सिंह एवं डॉक्टर कौशल कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं वैज्ञानिक तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण 06/06/2024

जलवायु परिवर्तन रोकने को पौधारोपण जरूरी

जासं, कानपुर : सीएसए कृषि विश्वविद्यालय के वानिकी महाविद्यालय व सीफोर वर्ल्ड एग्रो फारेस्ट्री एशिया कान्टिनेंटल प्रोग्राम इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को 'हमारी भूमि, हमारा भविष्य एवं जैव विविधता की रक्षा' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई। कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि परिदृश्य खेती के तौर-तरीके व उत्पादन एवं उत्पादकता पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। इस वजह से फसल चक्र में भी बदलाव आ रहा है। डा. एसके ध्यानी ने जनमानस से पेड़ लगाकर जलवायु परिवर्तन रोकने का आह्वान किया। यहां डीएफओ श्रद्धा यादव, डा. एसपी सिंह, डा. मुनीश कुमार, डा. सीएल मौर्य, डा. पीके उपाध्याय, डा. खलील खान सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

शहर दायरा न्यूज

कानपुर, गुरूवार 6 जून 2024

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। सीएसए के वानिकी महाविद्यालय एवं सीफोर वर्ल्ड एग्रो फॉरेस्ट्री एशिया कॉन्टिनेंटल प्रोग्राम इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में हमारी भूमि, हमारा भविष्य हम पीढ़ी बहाली हैं विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि परिदृश्य खेती के तौर तरीके तथा उत्पादन एवं उत्पादकता पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है जलवायु परिवर्तन के कारण फसल चक्र में भी बदलाव आ रहा है डॉक्टर सिंह ने पर्यावरण प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन तथा मानव स्वास्थ्य पर कुप्रभाव की चिंता करते हुए बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आज से ठीक 50 वर्ष पूर्व 5 जून 1973 से विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत की गई उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम भूमि पुनर्स्थापना मरुस्थलीकरण और सूखे पर है जो बहुत ही प्रासंगिक तथा अर्थपूर्ण है उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग अधिक है जो पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बहुत खतरनाक है कुलपति ने कहा कि प्लास्टिक उपयोग में कमी लाई जानी चाहिए तथा रीसाइकलिंग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए उन्होंने उपस्थित लोगों से प्लास्टिक को कम से कम उपयोग में लाने के लिए आवाहन किया इस अवसर पर वर्ल्ड एग्रोफोरेस्ट्री सेंटर के डॉक्टर एस के ध्यानी द्वारा विश्व पर्यावरण एवं कृषि वानिकी के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न परियोजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने अधिक से अधिक पेड़ लगाकर जलवायु परिवर्तन रोकने पर बल दिया इस अवसर पर डी एफ ओ,आईएफएस श्रद्धा यादव ने वन विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। जबकि डॉक्टर एसपी सिंह आईआईएफएम भोपाल ने भी छात्राओं एवं उपस्थित जनों को संबोधित किया कार्यक्रम आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यशाला के बारे में विस्तार से जानकारी थी।

इस अवसर पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद डॉक्टर सर्वेश कुमार द्वारा किया गया इस अवसर पर डॉ सी एल मौर्य, डॉक्टर पी के उपाध्याय,डॉ पीके सिंह एवं डॉक्टर कौशल कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं वैज्ञानिक तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 06/06/2024

प्लास्टिक यूज में कमी लाई जाए, रीसाइकलिंग बढ़ाएं

kanpur@inext.co.in

KANPUR (5 June): सीएसए के कॉलेज आफ फारेस्ट्री और सीफोर वर्ल्ड एग्रो फॉरेस्ट्री एशिया कॉन्टिनेंटल प्रोग्राम इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में वेडनसडे को हमारी भूमि, हमारा भविष्य हम पीढ़ी बहाली हैं विषय पर वर्कशाप का आयोजन किया गया.

सीएसए वीसी डॉ आनंद कुमार सिंह ने कहा कि ग्लोबल लेवल पर हो रह क्लाइमेंट चेंज के कारण कृषि परिदृश्य खेती के तौर तरीके और प्रोडक्शन पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है. कहा कि हमारे दैनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग अधिक है जो पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बहुत खतरनाक है.

प्लास्टिक उपयोग में कमी लाई जानी चाहिए तथा रीसाइकलिंग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए. इस मौके पर डॉक्टर एसके ध्यानी, डीएफओ श्रद्धा यादव, डॉक्टर सर्वेश कुमार, डॉ सीएल मौर्य, डॉक्टर पीके उपाध्याय और डॉ पीके सिंह आदि मौजूद रहे.

वर्कशाप का उद्घाटन करते सीएसए वीसी डॉ. आनंद कुमार सिंह.

अनिल शर्मा

सत्य का असर समाचार पत्र

06, 062024jksingh hardoi agmail com मोबाइल नंबर 9956834016

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीएसए में एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल सत्य का असर समाचार पत्र

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वानिकी महाविद्यालय एवं सीफोर वर्ल्ड एग्रो फॉरेस्ट्री एशिया कॉन्टिनेंटल प्रोग्राम इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में "हमारी भूमि, हमारा भविष्य हम पीढ़ी बहाली है" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि परिदृश्य खेती के तौर तरीके तथा उत्पादन एवं उत्पादकता पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण फसल चक्र में भी बदलाव आ रहा है। डॉक्टर सिंह ने पर्यावरण प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन तथा मानव स्वास्थ्य पर कुप्रभाव की चिंता करते हुए बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आज से ठीक 50 वर्ष पूर्व 5 जून 1973 से विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत की गई। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम "भूमि पुनर्स्थापना मरुस्थलीकरण और सूखे पर है" जो बहुत ही प्रासंगिक तथा अर्थपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग अधिक है जो पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बहुत खतरनाक है।कुलपति ने कहा कि प्लास्टिक उपयोग में कमी लाई जानी चाहिए तथा रीसाइकलिंग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों से प्लास्टिक को कम से कम उपयोग में लाने के लिए आवाहन किया। इस अवसर पर वर्ल्ड एग्रोफोरेस्ट्री सेंटर के डॉक्टर एस के ध्यानी द्वारा विश्व पर्यावरण एवं कृषि वानिकी के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न परियोजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने अधिक से अधिक पेड़ लगाकर जलवायु परिवर्तन रोकने पर बल दिया। इस अवसर पर डी एफ ओ,आईएफएस श्रद्धा यादव ने वन विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। जबकि डॉक्टर एसपी सिंह आईआईएफएम भोपाल ने भी छात्राओं एवं उपस्थित जनों को संबोधित किया। कार्यक्राम आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यशाला के बारे में विस्तार से जानकारी थी।इस अवसर पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद डॉक्टर सर्वेश कुमार द्वारा किया गया इस अवसर पर डॉ सी एल मौर्य,डॉक्टर पी के उपाध्याय,डॉ पीके सिंह एवं डॉक्टर कौशल कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं

जन एक्सप्रेस
@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

सी एस ए में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संपन्न

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर मे विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में वानिकी महाविद्यालय एवं सीफोर वर्ल्ड एग्रो फॉरेस्ट्री एशिया कॉन्टिनेंटल प्रोग्राम इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में हमारी भूमि, हमारा भविष्य हम पीढ़ी बहाली हैं विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन बुधवार को किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि परिदृश्य खेती के तौर तरीके तथा उत्पादन एवं उत्पादकता पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण फसल चक्र में भी बदलाव आ रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम भूमि पुनर्स्थापना मरुस्थलीकरण और सूखे पर है जो बहुत ही प्रासंगिक तथा अर्थपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग अधिक है जो पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बहुत खतरनाक है इसके लिए प्लास्टिक उपयोग में कमी लाने के साथ रीसाइकलिंग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों से

प्लास्टिक को कम से कम उपयोग में लाने के लिए आवाहन किया। इस अवसर पर वर्ल्ड एग्रोफोरेस्ट्री सेंटर के डॉ.एस के ध्यानी द्वारा विश्व पर्यावरण एवं कृषि वानिकी के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न परियोजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाकर जलवायु परिवर्तन रोकने पर बल दिया। इस अवसर पर डी एफ ओ, आईएफएस श्रद्धा यादव ने वन विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी वहीं डॉ.एसपी सिंह आईआईएफएम भोपाल ने भी छात्राओं एवं उपस्थित जनों को संबोधित किया। इस अवसर पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद डॉ.सर्वेश कुमार द्वारा किया गया इस अवसर पर डॉ.सी.एल. मौर्य, डॉ.पी.के. उपाध्याय, डॉ.पीके सिंह एवं डॉ.कौशल कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं वैज्ञानिक तथा छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

आज का कानपुर

शित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला

आज का कानपुर

कानपुर । सीएसए के वानिकी महाविद्यालय एवं सीफोर वर्ल्ड एग्रो फॉरेस्ट्री एशिया कॉन्टिनेंटल प्रोग्राम इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में हमारी भूमि, हमारा भविष्य हम पीढ़ी बहाली हैं विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि परिदृश्य खेती के तौर तरीके तथा उत्पादन एवं उत्पादकता पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है जलवायु परिवर्तन के कारण फसल चक्र में भी बदलाव आ रहा है डॉक्टर सिंह ने पर्यावरण प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन तथा मानव स्वास्थ्य पर कुप्रभाव की चिंता करते हुए बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आज से ठीक 50 वर्ष पूर्व 5 जून 1973 से विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत की गई उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम भूमि पुनर्स्थापना मरुस्थलीकरण और सूखे पर है जो बहुत ही प्रासंगिक तथा अर्थपूर्ण है उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग अधिक है जो पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बहुत खतरनाक है कुलपति ने कहा कि प्लास्टिक उपयोग में कमी लाई जानी चाहिए तथा रीसाइकलिंग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए उन्होंने उपस्थित लोगों से प्लास्टिक को कम से कम उपयोग में लाने के लिए आवाहन किया इस अवसर पर वर्ल्ड एग्रोफोरेस्ट्री सेंटर के डॉक्टर एस के ध्यानी द्वारा विश्व पर्यावरण एवं कृषि वानिकी के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न परियोजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने अधिक से अधिक पेड़ लगाकर जलवायु परिवर्तन रोकने पर बल दिया इस अवसर पर डी एफ ओ,आईएफएस श्रद्धा यादव ने वन विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। जबकि डॉक्टर एसपी सिंह आईआईएफएम भोपाल ने भी छात्राओं एवं उपस्थित जनों को संबोधित किया कार्यक्रम आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यशाला के बारे में विस्तार से जानकारी थी।इस अवसर पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद डॉक्टर सर्वेश कुमार द्वारा किया गया इस अवसर पर डॉ सी एल मौर्य, डॉक्टर पी के उपाध्याय,डॉ पीके सिंह एवं डॉक्टर कौशल कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं वैज्ञानिक तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

लोक सूचना

सूचित किया जाता है कि M/s ICON BUILDERS , 127/219- A, Juhi Kalan, Kanpur में निम्न परिवर्तन की सूचना देता हूँ :-

(1) Surendra Jakhodia] (2) Shri Siddharth Jakhodia](3) Smt. Madhu Jakhodia] (4) Shri I Somendra Jakhodia दिनाक 25.08.2023 से फर्म की साझीदारी में अपनी स्वेच्छा से शामिल हो गये है :-

दिनांक 25.08.2023 से फर्म की साझीदारो की स्थिति निम्नवत है :-

1- Shri Rajendra Kumar Agarwal S/o Late Shri Dau Dayal Agarwal R/o 128/558, K-Block, G2, Kidwai Nagar, Kanpur
2- Shri Rakesh Kumar Garg S/o Late Shri Roop Kishore Garg R/o 35 Carriapa Road, Cantonment, Kanpur
3- Shri Atul Kumar Garg S/o Late Shri Roop Kishore Garg R/o 35 Carriapa Road, Cantonment, Kanpur
4- Shri Pawan Kumar Garg S/o Late Shri Roop Kishore Garg R/o 35 Carriapa Road, Cantonment, Kanpur
5- Shri Surendra Jakhodia S/o Mahadeo Prasad R/o 18 Shiv Godawari Nagar, Pokharpur, Kanpur
6- Shri Siddharth Jakhodia S/o Surendra Jakhodia R/o 18 Shiv Godawari Nagar, Pokharpur, Kanpur
7- Smt. Madhu Jakhodia W/o Somendra Jakhodia R/o 18 Shiv Godawari Nagar, Pokharpur, Kanpur
8- Shri Somendra Jakhodia S/o Mahadeo Prasad R/o 18 Shiv Godawari Nagar, Pokharpur, Kanpur

सूचनाकर्ता

Rakesh Kumar Garg
साझीदार